जयपुर, जोधपुर, अजमेर, अलवर कोर्ट को फिर बम से उड़ाने की धमकी मिली

धमकी भरे ई-मेल के बाद पुलिस, बम निरोधक दस्ता व सुरक्षा एजेंसियों ने तलाशी अभियान चलाया

जयपुर/जोधपुर/अजमेर/अलवर, (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट की जोधपुर और जयपुर पीठ, अजमेर जिला न्यायालय परिसर, अलवर अदालती परिसर को सोमवार सुबह एक बार फिर बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद न्यायिक और प्रशासन में हड़कंप मच गया। धमकी भरा ई-मेल मिलते ही पुलिस, सुरक्षा एजेंसियां और बम निरोधक दस्ते को सूचना दी गई। धमकी के बाद जोधपुर हाईकोर्ट परिसर में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई तथा पूरे परिसर की गहन तलाशी ली गई। जानकारी के अनुसार धमकी किसी अज्ञात ई-मेल आईडी से भेजी गई है। सुरक्षा एजेंसियां ई-मेल के स्रोत और भेजने वाले की पहचान करने में जुटी हैं।

जयपुर हाई कोर्ट परिसर में पुलिस, सुरक्षा एजेंसियां और बम निरोधक दस्ते ने जांच की।

जयपुर में हाईकोर्ट में फिर बम ब्लास्ट की धमकी :- जयपुर मे राजस्थान हाईकोर्ट को एक बार फिर बम से उड़ाने की धमकी भरा ई-मेल भेजा गया है। इससे पूर्व अब तक हाईकोर्ट को एक दर्जन बार इस तरह की धमकी भरे ई-मेल मिल चुके हैं। मेल मिलने के बाद हाईकोर्ट प्रशासन की ओर से पुलिस उच्चाधिकारियों को इसकी सूचना दी गई। इस पर दौरान जांच एजेंसियों ने मौके पर पहुंचकर हाईकोर्ट की मुख्य बिल्डिंग की गहनता से जांच की। वहीं बम निरोधक दस्ते और डॉग स्क्वॉड ने चप्पे-चप्पे की तलाशी ली।

हाईकोर्ट प्रशासन को रात 12 बजकर 19 मिनट पर भेजे इस मेल में कहा गया कि जनमानस को नुकसान पहुंचाना हमारा इरादा नहीं है, लेकिन इमारत को नुकसान होगा। इसलिए 6 जिलेटिन बम प्लांट किए गए हैं। सुबह प्रशासन की ओर से मेल देखने के बाद सुरक्षा एजेंसियों को इसकी सूचना दी गई। कोर्ट समय शुरू होने से पहले सुरक्षा एजेंसियों की ओर से तलाशी पूरी करने से न्यायिक कामकाज बाधित नहीं हुआ। आए दिन धमकी भरा मेल मिलने के बाद भी अब तक इसे भेजने वालों की जानकारी नहीं मिल पाई है। जिसके चलते वकीलों में खासी नाराजगी है। हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष प्रहलाद शर्मा ने बताया कि कभी यह धमकी वास्तविक घटना में बदल गई तो जान-माल का नुकसान हो सकता है। हाल ही में साइबर सुरक्षा को लेकर आयोजित कार्यशाला में भी हाईकोर्ट को दी जा रही बम ब्लास्ट का मुद्दा उठ चुका है।

अजमेर कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी :-अजमेर जिला न्यायालय परिसर को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद सोमवार सुबह पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों में हड़कंप मच गया। जिला न्यायाधीश को मिले धमकी भरे ई-मेल की सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन हरकत में आ गया और सुबह करीब 7:15 बजे सीओ (उत्तर) शिवम जोशी तथा सिविल लाइंस थाना प्रभारी शंभू सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। इसके बाद पूरे न्यायालय परिसर की घेराबंदी कर सघन तलाशी अभियान शुरू किया गया। जांच पूरी होने के बाद राहत की बात यह रही कि परिसर पूरी तरह सुरक्षित मिला और किसी प्रकार का विस्फोटक नहीं पाया गया।

अब अलवर डीजे कोर्ट को उडाने की मिली धमकी :- अलवर में भी सोमवार सुबह अदालती परिसर में धमकी का ई-मेल मिलने से हड़कंप मच गया। यह धमकी कोर्ट की आधिकारिक ई-मेल आईडी पर तमिल भाषा में भेजे गए एक मेल के जरिए दी गई। मेल में दावा किया गया कि कोर्ट परिसर में 6 जिलेटिन बम लगाए गए हैं। सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियां तुरंत अलर्ट मोड पर आ गईं। सोमवार सुबह करीब 9:30 बजे जब अदालती कामकाज के लिए ऑफिस खुला, तब कर्मचारियों की नजर इस मेल पर पड़ी। मेल की गंभीरता को देखते हुए तुरंत अलवर पुलिस अधीक्षक को मामले की सूचना दी गई। धमकी की सूचना मिलते ही पुलिस, बम निरोधक दस्ता और डॉग स्क्वायड की टीमें तुरंत मौके पर पहुंचीं। ऐतिहासिक महल परिसर स्थित डीजे कोर्ट सहित पूरे अदालती परिसर को खाली करवाकर तलाशी ली गई। करीब दो घंटे तक चली कड़ी जांच के बाद पुलिस को कोई भी संदिग्ध वस्तु या बम नहीं मिला।

छबड़ा के कड़ैयाबन स्थित विद्यालय में शिक्षकों की कमी

छबड़ा, (निसं)। कड़ैयाबन स्थित उच्च माध्यमिक विद्यालय में शिक्षकों की कमी को लेकर सोमवार को छात्रों और ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। नाराज विद्यार्थियों ने स्कूल के मुख्य द्वार पर ताला लगाकर प्रदर्शन किया और जल्द से जल्द शिक्षकों की नियुक्ति करने की मांग उठाई। प्रदर्शन कर रहे विद्यार्थियों ने बताया कि विद्यालय में लंबे समय से शिक्षकों की कमी बनी हुई है, जिससे उनकी पढ़ाई प्रभावित हो रही है। उनका कहना था कि इस संबंध में कई बार विभागीय अधिकारियों को अवगत कराया जा चुका है, लेकिन अब तक कोई ठोस समाधान नहीं हुआ है इस दौरान छात्रों ने नारेबाजी कर अपनी नाराजगी जताई। विरोध प्रदर्शन में ग्रामीण और अभिभावक भी शामिल हुए। ग्रामीणों का आरोप था कि सूचना दिए जाने के बावजूद कोई जिम्मेदार अधिकारी करीब एक घंटे तक मौके पर नहीं पहुंचा, जिससे लोगों में नाराजगी और बढ़ गई। प्रदर्शन के दौरान स्कूल गेट पर ताला लगाकर करीब एक घंटे तक धरना दिया गया।

- नाराज विद्यार्थियों ने स्कूल के मुख्य द्वार पर ताला लगाकर प्रदर्शन किया
- विद्यार्थियों ने जल्द से जल्द शिक्षकों की नियुक्ति करने की मांग उठाई

छात्रों और ग्रामीणों ने मांगों को लेकर धरना दिया।

कार्यरत कार्यवाहक सीबीईओ चंद्रप्रकाश गुप्ता ने बताया कि विद्यालय में कुल 185 विद्यार्थी नामांकित हैं। स्कूल में शिक्षकों के 17 पद स्वीकृत हैं, लेकिन वर्तमान में केवल 6 शिक्षक ही कार्यरत हैं। उन्होंने बताया कि कई शिक्षक सेवानिवृत्त हो चुके हैं, जिसके कारण यह स्थिति बनी है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित न हो, इसके लिए फिलहाल वैकल्पिक व्यवस्था की गई है तथा रिक्त पदों को भरने के लिए विभागीय स्तर पर आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। ग्रामीणों और अभिभावकों ने मांग की है कि विद्यालय में रिक्त पड़े पदों पर शीघ्र शिक्षकों की नियुक्ति की जाए ताकि विद्यार्थियों की पढ़ाई सुचारू रूप से चल सके और उन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल सके।

जोधपुर में अवैध मॉडिफिकेशन वाली 10 बसें सीज़

नियमों की अवहेलना करने पर जुर्माना लगाया

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर में अवैध मॉडिफिकेशन वाली लग्जरी एवं स्लीपर बसों के विरुद्ध सोमवार को कार्रवाई जारी रही। 10 बसों पर कार्रवाई की गई। नियमों के अनुसार संबंधित बसों को सीज़ किया गया तथा उनके चालान बनाए गए।

राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर के सदस्य सचिव के निर्देशानुसार तथा जिला एवं सेशन न्यायाधीश (अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण) जोधपुर महानगर दिनेश त्यागी एवं जिला एवं सेशन न्यायाधीश (अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण) जोधपुर जिला पूरण कुमार शर्मा के निर्देशों की पालना में सुरक्षित परिवहन के नागरिकों के अधिकारों की रक्षा तथा वैधानिक प्रावधानों एवं सरकारी दिशा-निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से विशेष अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान बॉम्बे मोटर चौराहा, कल्पतरु बस स्टैंड एवं बारहवीं रोड चौराहा पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जोधपुर महानगर एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जोधपुर द्वारा परिवहन एवं पुलिस विभाग की संयुक्त जांच टीम के साथ औचक निरीक्षण किया गया। इस दौरान अवैध रूप से संचालित तथा अनधिकृत संरचनात्मक बदलाव करने वाली स्लीपर एवं लक्जरी बसों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए 10 बसों पर नियमानुसार कार्रवाई की गई तथा उन्हें सीज़ कर चालान बनाए गए। विशेष अभियान के दौरान कुल 10 बसों का निरीक्षण किया गया। जांच के दौरान विभिन्न नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित बसों के विरुद्ध नियमानुसार चालान बनाए गए तथा नियमों की अवहेलना करने वाले संचालकों पर जुर्माना लगाया गया। वहीं जिन बसों में गंभीर अनियमितताएं एवं अनधिकृत संरचनात्मक बदलाव पाए गए, उन्हें मौके पर ही नियमानुसार सीज़ कर दिया गया।

पूरी कार्रवाई को निष्पक्ष एवं प्रभावी ढंग से संपन्न कराने के लिए न्यायपालिका, पुलिस एवं परिवहन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर उपस्थित रहे। आमजन से अपील की गई है कि स्लीपर एवं लग्जरी बसों की जांच यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा जान-माल की हानि रोकने के उद्देश्य से की जा रही है। इसमें सभी नागरिक सहयोग करें। यदि कोई यात्री किसी ट्रेवल्स एजेंसी के विरुद्ध कार्रवाई करवाना चाहता है, तो वह जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, न्यायालय परिसर, जोधपुर महानगर में संपर्क कर स्थायी लोक अदालत में वाद प्रस्तुत कर सकता है।

कोटा में 59 हजार के जाली नोट बरामद, आरोपी गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। ग्रामीण इलाके के बपावर कलां क्षेत्र के बाजार में 100-200 सौ के नकली नोटों को चलाने के प्रयास के दौरान सूचना पर बपावर कलां पुलिस टीम ने 59300 रुपये के नकली नोटों सहित आरोपी को गिरफ्तार किया है।

ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने बताया कि बपावर पुलिस को सूचना मिली कि एक एमपी नम्बर की बाइक पर एक बैग सहित युवक संदिग्ध अवस्था में घूम रहा है। ग्रामीण एसपी ने बताया कि उक्त सूचना पर पुलिस उपअधीक्षक नरेन्द्र जैन के सुपरविजन में थाने के सहायक उप निरीक्षक रामप्रकाश के नेतृत्व में टीम गठित की गई। गठित टीम ने विशेष कार्ययोजना बनाकर सूचना के आधार पर मौके पर पहुंचे। ग्रामीण एसपी ने बताया कि पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर बपावर कलां के बाजार में नकली नोट खपाने के प्रयास में संदिग्ध युवक को डिटेन कर उसके बैग की तलाशी ली, तलाशी के दौरान पुलिस टीम ने बैग में से 100 व 200 रूपये के नकली नोट के कुल 59 हजार 300 रूपये बरामद किये। पुलिस टीम ने मौके पर कार्यवाही करते हुए मध्यप्रदेश के थाना गुना पिपरोदा खुर्द निवासी आनंद कुशवाह (38) को गिरफ्तार किया। ग्रामीण एसपी ने बताया कि पूछताछ में सामने आया कि उसने ये नकली नोटा इंस्टाग्राम मित्र रवि से 20 हजार नकद के बदले में प्राप्त किये थे, पकड़े गये आरोपी से अनुसंधान जारी है।

- नकली नोटों को बाजार में चलाने की योजना थी

परिवार पर लाठी-डंडों से हमला, छह घायल

छबड़ा, (निसं)। शहर की मोती कॉलोनी में रविवार को एक परिवार पर कथित रूप से लाठी-डंडों से हमला किए जाने का मामला सामने आया है। पीड़ित ने इस संबंध में पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराते हुए कार्रवाई की मांग की है।

पीड़ित सुरेश कुशवाह ने बताया कि रविवार को अचानक 4 से 5 महिला-पुरुष उनके घर पहुंचे और परिवार के सदस्यों के साथ मारपीट शुरू कर दी। उनके अनुसार हमलावरों ने लाठी-डंडों से हमला किया, जिससे परिवार के कई सदस्य घायल हो गए। कुशवाह के अनुसार, जब परिवार के अन्य सदस्य बीच-बचाव के लिए आए तो उनके साथ भी मारपीट की गई। घटना में करीब आधा दर्जन लोग घायल हुए हैं। पीड़ित का आरोप है कि हमलावरों ने घर के बाहर खड़ी वैन और बाइक में भी तोड़फोड़ की। घटना के बाद आरोपी मौके से भाग गए। पीड़ित का कहना है कि पूरी घटना आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हुई है। घटना के बाद पीड़ित परिवार छबड़ा थाने पहुंचा और शिकायत दर्ज करवाते हुए आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। मामले में पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार घायलों का मेडिकल परीक्षण करवाया है।

नीमकाथाना : कॉजेल में व्याख्याताओं के तबादले से छात्रों में आक्रोश

नीमकाथाना, (निसं)। एसएनकेपी कॉलेज में पांच व्याख्याताओं और एक लैब असिस्टेंट के तबादले के विरोध में सोमवार को छात्रों का गुस्सा फूट पड़ा। स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई) के आ ान पर विद्यार्थियों ने कॉलेज का मुख्य द्वार बंद कर राज्य सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया। छात्रों ने आरोप लगाया कि पहले से ही कॉलेज में शिक्षकों की भारी कमी है, ऐसे में तबादलों से विद्यार्थियों की पढ़ाई पर गंभीर असर पड़ेगा।

प्रदर्शन कर रहे छात्रों का कहना था कि कॉलेज में पीटीआई सहित करीब 20 पद पहले से रिक्त हैं। इसके बावजूद दो दिन पूर्व पांच व्याख्याताओं और एक लैब असिस्टेंट का तबादला कर दिया गया, जिससे शैक्षिणक व्यवस्था और अधिक प्रभावित होगी। एसएफआई के जिला सचिव विक्रम यादव ने कहा कि जब कॉलेज पहले से ही स्टाफ की कमी से जूझ रहा है तो ऐसे समय में शिक्षकों का तबादला करना विद्यार्थियों के भविष्य के साथ खिलवाड़ है। उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि क्या सरकार छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से वंचित रखना चाहती है। प्रदर्शन की सूचना पर कोतवाली थाना पुलिस भी मौके पर पहुंची। कॉलेज प्राचार्य संतोष वर्मा ने छात्रों से वार्ता कर उन्हें शांत कराया और उनकी मांगों को उच्च अधिकारियों तक पहुंचाने का आश्वासन दिया। इसके बाद छात्रों ने प्रदर्शन समाप्त करते हुए प्रशासन को तीन दिन का अल्टीमेटम दिया। छात्रों ने चेतावनी दी कि निर्धारित समय में समाधान नहीं होने पर उग्र आंदोलन किया जाएगा, जिसकी समस्त जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

पूर्व एसएफआई नेता एवं अधिवक्ता गोपाल सैनी ने कहा कि कॉलेज में पहले से ही लगभग 20 पद रिक्त हैं। ऐसे में लगातार तबादले शिक्षा व्यवस्था को कमजोर कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कॉलेज को धर्मशाला नहीं बनने दिया जाएगा। सरकार छात्रों के हितों की अनदेखी कर रही है। उन्होंने नई शिक्षा नीति पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि वर्तमान व्यवस्था में परीक्षा, प्रवेश और पढ़ाई का पूरा शैक्षिणक कैलेंडर अव्यवस्थित हो गया है, जिसका खामियाजा विद्यार्थियों को भुगतना पड़ रहा है। प्रदर्शन के दौरान छात्रों ने रिक्त पदों को शीघ्र भरने तथा स्थानांतरित किए गए शिक्षकों के तबादले पर पुनर्विचार करने की मांग करते हुए सरकार के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की।

- एसएनकेपी कॉलेज का गेट बंद कर छात्रों ने धरना प्रदर्शन किया
- कॉलेज में पीटीआई सहित करीब 20 पद पहले से रिक्त हैं

कॉलेज की छत से गिरा मजदूर

रामगंजमंडी, (निसं)। चेचट कस्बे के नरसिंह जी के बाग में बन रहे निर्माणाधीन सरकारी कॉलेज में सोमवार सुबह एक हादसा हो गया। प्राप्त जानकारी अनुसार कॉलेज निर्माण कार्य में लगे मजदूर कन्हैयालाल पुत्र कालू भील (40) निवासी रावतभाटा रात में निर्माणाधीन भवन की छत पर सो रहे थे। सुबह नींद में अचानक संतुलन बिगड़ने से वह छत से नीचे गिर गया, जिससे उनके सिर और शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आईं। हादसे के बाद मौके पर मौजूद अन्य मजदूरों ने तुरंत 108 एंबुलेंस को सूचना दी। एंबुलेंस की सहायता से घायल कन्हैयालाल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चेचट लाया गया, जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार किया। गंभीर चोट होने के कारण उन्हें तत्काल बेहतर उपचार के लिए झालावाड़ के एसआरजी अस्पताल रेफर कर दिया गया।

गंगापुर सिटी में सड़क किनारे अज्ञात युवक का शव मिला

गंगापुर सिटी, (निसं)। कोतवाली थाना क्षेत्र में सोमवार को गंगाजी की कोठी के पास एक अज्ञात युवक का शव मिला। प्रारंभिक जांच में यह सड़क हादसे का मामला प्रतीत हो रहा है। पुलिस ने शव को राजकीय अस्पताल की मोर्चरी में रखवाकर शिनाख्त के प्रयास शुरू कर दिए हैं।

राहगीरों ने सोमवार को गंगाजी की कोठी के समीप सड़क किनारे युवक को गंभीर घायल अवस्था में देखा था। उन्होंने तुरंत पुलिस और 108 एंबुलेंस को सूचना दी। हालांकि, एंबुलेंस के पहुंचने से पहले ही युवक की मौत हो चुकी थी। सूचना मिलते ही कोतवाली थाना अधिकारी करण सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने एंबुलेंस की सहायता से शव को राजकीय अस्पताल पहुंचाया। पुलिस के अनुसार, मृतक की उम्र लगभग 35 से 40 वर्ष है। उसके सिर पर लंबे बाल हैं और दाहिने हाथ पर अंग्रेजी में राजा गुदा हुआ है। इस निशान को पहचान का महत्वपूर्ण आधार माना जा रहा है। आसपास के लोगों से पूछताछ के बावजूद मृतक की शिनाख्त नहीं हो पाई है। प्रारंभिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि युवक की मौत किसी अज्ञात वाहन की टक्कर से हुई है। पुलिस घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाल रही है, ताकि हादसे से संबंधित कोई सुराग मिल सके। कोतवाली थाना पुलिस ने आमजन से अपील की है कि यदि किसी व्यक्ति को मृतक की पहचान के संबंध में कोई जानकारी हो, तो वे तत्काल कोतवाली थाना गंगापुर सिटी को सूचित करें। पुलिस ने बताया कि शिनाख्त होने के बाद परिजनों की मौजूदगी में पोस्टमार्टम की कार्रवाई कर शव उन्हें सुपुर्द कर दिया जाएगा।

- युवक के सिर पर लंबे बाल हैं और दाहिने हाथ पर अंग्रेजी में राजा गुदा हुआ है
- आशंका जताई जा रही है कि युवक की मौत किसी अज्ञात वाहन की टक्कर से हुई है

बूंदी शहर के ऐतिहासिक दरवाजे अब पर्यटकों को आकर्षित करेंगे

बूंदी, (निसं)। बूंदी शहर के ऐतिहासिक दरवाजे आने वाले दिनों में पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करेंगे। शहर की प्राचीन धरोहरों को सहेजने और पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से इन ऐतिहासिक दरवाजों के संरक्षण व सौंदर्यीकरण का कार्य 14 जुलाई से शुरू होने जा रहा है। यह पहल भारतीय सांस्कृतिक निधि (इंटेक) चैप्टर द्वारा की गई है।

भारतीय सांस्कृतिक निधि के केंद्रीय कार्यालय के निर्देशन में 14 जुलाई की सुबह इस कार्य का शुभारंभ होगा। कार्यक्रम में जिला कलैक्टर हरफूल सिंह यादव सहित अन्य गणमान्य अतिथि मौजूद रहेंगे। यह कार्य लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के बूंदी में पर्यटन और विकास को गति देने के विजन को साकार करने की दिशा में एक अहम कदम साबित होगा।

- ऐतिहासिक दरवाजों के संरक्षण कार्य का शुभारंभ आज होगा
- लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के प्रयासों से स्वीकृति मिली

बूंदी शहर के ऐतिहासिक दरवाजों के संरक्षण व सौंदर्यीकरण का कार्य होगा।

इंटेक चैप्टर बूंदी के संयोजक राजकुमार दाधीच ने जानकारी देते हुए बताया कि लोकसभा अध्यक्ष के विशेष प्रयासों से ही भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड के माध्यम से इस कार्य को स्वीकृति मिली है। उन्होंने कहा कि इन ऐतिहासिक दरवाजों के संरक्षण और सौंदर्यीकरण से न केवल शहर की सुंदरता में चार चांद लगेंगे, बल्कि देशी-विदेशी पर्यटन को भी नए पंख मिलेंगे। शहर की ऐतिहासिक धरोहरों को सहेजने के इस कार्य में आमजन से भी सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की गई है। इंटेक के सह-संयोजक राजेंद्र कुमार भारद्वाज, सदस्य नंद प्रकाश शर्मा नंजी, अशोक तलवास, जेपी त्रिपाठी, पंकज दादी, मनमोहन अजमेरा, पीयूष पाचक और अनुराग शर्मा आदि ने शहरवासियों से इस संरक्षण कार्य में बढ़-चढ़कर सहयोग करने का आव्हान किया है।

बूंदी की सूरज छतरी व मोरडी की छतरी वापस अपने वैभव में लौटेगी

बूंदी, (निसं)। रानियों के ख्वाब का आईना रही ऐतिहासिक सूरज छतरी व मोरडी की (मयूर) छतरी वापस अपने वैभव में लौटेगी। वन विभाग ने दोनों छतरियों के लिए 25 लाख की टेंडर प्रक्रिया जारी की है।

सेव अवर हेरिटेज फाउंडेशन के अरिहंत सिंह ने बताया कि सूरज छतरी पर सदस्यों के साथ मिलकर नापकर एस्टीमेट बनाकर वन विभाग को सौंप दिया है, ताकि छतरी में सही तरीके से जीर्णोद्धार के कार्य हो सके। वन विभाग ने वेबसाइड पर टेंडर जारी कर दिए है। टेंडर प्रक्रिया पूर्ण होते ही सूरज छतरी व मयूर छतरी पर जीर्णोद्धार के कार्य शुरू होंगे। सूरज छतरी में मूर्ति का चबूतरा छतरी का गुम्बद सहित कई कार्य होंगे। मयूर छतरी पर भी पर्यटक आसानी से पहुचे इसके लिए सुगम मार्ग बनाया जाएगा। कार्य पूर्ण होने के बाद पर्यटको के लिए सूर्योदय व सूर्यास्त के पॉइंट बनेंगे जो पर्यटन जो नए आयाम देंगे। बालचन्द पाडा पश्चिम पहाड़ी पर स्थित सूरज छतरी का निर्माण तत्कालीन राजमाता श्याम कंवर राठौर ने पुत्र महाराव भाव सिंह के शासनकाल में महाराव छत्रशाल सिंह की स्मृति में सन 1673 में पूर्ण करवाया था। दक्षिण की ओर पहाड़ी पर बनी मोरडी (मयूर) छतरी का निर्माण रानी मयूरी ने करवाया था।

- वन विभाग ने दोनों छतरियों के लिए 25 लाख की टेंडर प्रक्रिया जारी की है

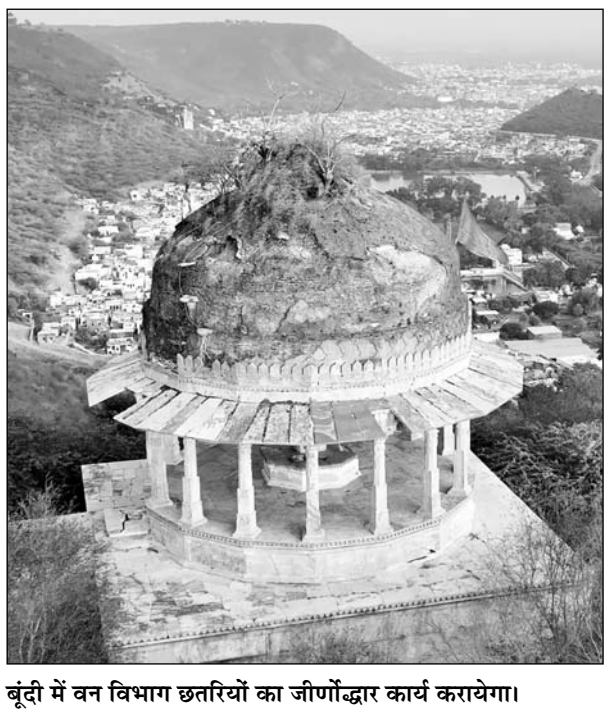

बूंदी में वन विभाग छतरियों का जीर्णोद्धार कार्य करायेगा।

मारपीट के छह आरोपी गिरफ्तार

गंगापुर सिटी, (निसं)। पुलिस ने घर में घुसकर मारपीट, तोड़फोड़ और जानलेवा हमले के मामले में छह और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस प्रकरण में अब तक नौ आरोपी गिरफ्तार हो चुके हैं। पुलिस अन्य आरोपियों की तलाश कर रही है।

सवाई माधोपुर पुलिस अधीक्षक ज्येष्ठा मैत्रेयी के निर्देश पर यह कार्रवाई की गई। एएसआई धनराज मीना की टीम ने रामनिवास, लाखन, मनीष, धीर सिंह, संतोष कुमार सभी निवासी मैडी, वजीरपुर और अजीत कुमार निवासी नथुआ का पुरा, हिण्डौन सिटी, करौली को गिरफ्तार किया। पुलिस ने बताया कि इससे पहले धर्मेंद्र उर्फ धर्म, आकाश और रुकमकेश को भी इसी मामले में गिरफ्तार किया गया था। सभी आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत कार्रवाई की गई है। यह मामला 31 जनवरी 2026 को मैडी निवासी बनीसिंह मीना द्वारा वजीरपुर थाने में दर्ज कराई गई रिपोर्ट पर किया गया। बनीसिंह ने आरोप लगाया था कि शाम करीब 5 बजे बड़ी संख्या में लोग लाठी-डंडों, धारदार और अन्य हथियारों के साथ उनके घर में घुस आए। उन्होंने परिवार पर जानलेवा हमला किया, मारपीट की और लूटपाट व आगजनी का भी प्रयास किया। इस हमले में परिवार के कई सदस्य गंभीर रूप से घायल हो गए थे।